हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 मेरा कोई ना सहारा बिन तेरे हनुमान दया करो...

12 स्वस्थ, जागरूक और संवेदनशील समाज का...

बहादुरगढ़ की एक तिहाई से अधिक आबादी रहती है लाइनपार, आवाजाही में मुसीबत

लाइनपार के तीन रास्ते, तीनों में दिक्कत, हर दिन खतरे के साए में सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सिटी पल्स

शहर की एक तिहाई से अधिक आबादी रेलवे लाइनपार के इलाके में रहती है, लेकिन इस हिस्से तक पहुंचने के तीनों प्रमुख रास्ते लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बने हुए हैं। बराही रेलवे फाटक पर दिनभर लगने वाला जाम, रेलवे अंडरब्रिज में बरसात के दौरान जलभराव और रेलवे ओवरब्रिज पर दोबारा उभर आए गड्ढों ने हजारों लोगों का रोजमर्रा का सफर मुश्किल कर दिया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन हर बार केवल अस्थायी समाधान करता है, जबकि स्थायी व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी। शहर के लाइनपार क्षेत्र में आने-जाने के लिए केवल यही तीन मुख्य रास्ते हैं और तीनों ही अपनी-अपनी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसका सीधा असर स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और मरीजों तक पर पड़ रहा है। सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला बराही रेलवे फाटक दिनभर वाहनों की लंबी कतारों से जूझता रहता है। ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक बंद होते ही दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग जाती है। कई बार फाटक खुलने के बाद भी आधे घंटे तक जाम की स्थिति बनी रहती है। रेलवे अंडरब्रिज बरसात के मौसम में सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हल्की बारिश में भी पानी भर जाता है और कई बार वाहन बीच रास्ते में बंद हो जाते हैं।

ऐसे हालात में अंडरब्रिज से गुजरना जान जोखिम में डालने जैसा होता है। रेलवे ओवरब्रिज की सड़क पर दोबारा गड्ढे बन गए हैं। तेज रफ्तार वाहन अचानक ब्रेक लगाने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे हादसों की आशंका लगातार बनी रहती है। दोपहिया वाहनों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक है। लाइनपार क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी और हादसों के खतरे से राहत दिलाई जाए।

बहादुरगढ़। नाहरा-नाहरी रोड पर क्षतिग्रस्त रेलवे ओवरब्रिज की सड़क तथा रेलवे अंडरब्रिज में भरे पानी का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

प्रशासन को स्थायी समाधान करना चाहिए

पूर्व पार्षद दिनेश नागर के अनुसार शहर की इतनी बड़ी आबादी के लिए तीन ही रास्ते हैं और तीनों बदहाल हैं। रोज जाम, गड्ढे और पानी की समस्या झेलनी पड़ती है। प्रशासन को स्थायी समाधान करना चाहिए। बराही फाटक पर जाम की स्थायी व्यवस्था, अंडरब्रिज में जल निकासी की पुख्ता योजना और रेलवे ओवरब्रिज की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराई जाए।

समय होता है बर्बाद

पूर्व पार्षद प्रेमचंद का कहना है कि बराही फाटक पर कई बार आधा-आधा घंटा फंसना पड़ता है। इससे लोगों का कामकाज भी प्रभावित होता है और समय भी बर्बाद होता है। अगर किसी मरीज को अस्पताल ले जाना हो तो सबसे ज्यादा परेशानी होती है। तीनों रास्तों में कोई भी पूरी तरह सुरक्षित और सुगम नहीं है।

रात को बचना मुश्किल

पूर्व पार्षद प्रवीण राठी ने बताया कि बरसात में अंडरब्रिज से निकलने में डर लगता है। ओवरब्रिज पर बने गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। रात के समय इनसे बचना और मुश्किल हो जाता है। हर साल यही समस्याएं दोहराई जाती हैं। मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति होती है और कुछ ही दिनों बाद सड़क फिर टूट जाती है।

खबर संक्षेप

आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा

बहादुरगढ़। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी के सहयोग से पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी के कार्यालय में सोमवार 13 जुलाई को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसायटी की विशेषज्ञ टीम रक्त संग्रह करेगी। सरोज राठी ने बताया कि रक्तदान से पहले सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

जिला-उपमंडल स्तर पर आज समाधान शिविर

झज्जर। सोमवार को आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में संबंधित एसडीएम नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे।

सीवर व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग उठाई

बहादुरगढ़। लाइनपार के वार्ड नंबर-3 की मेन सड़क पर सीवर का गंदा व बदबूदार पानी भर गया है। कॉलोनी के सभी सीवर भी जाम हैं। जिस कारण मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियां बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। राजेंद्र, रामरत्न, कृष्ण, गुड्डी, रजनी शर्मा, सुरेश, रामशुक्ल, रेखा, पूनम, रुखसाना, सूरज, सोनू, विजयपाल व सतपाल आदि के अनुसार अधिकारियों को समस्या के संबंध में अवगत करवाया जा चुका है। लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है।

अवैध हथियार सहित युवक किया गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 पुलिस चौकी की टीम ने अवैध हथियार सहित 1 युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी जो जेल भेज दिया गया है। दरअसल, टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक बिना नंबर प्लेट की बाइक के साथ पंजाबी ढाबे के पास खड़ा है और उसके पास हथियार हो सकता है। इस पर टीम वहां गई। शक के आधार पर तलाशी ली तो युवक के पास अवैध हथियार मिला। आरोपी की पहचान चिराग के रूप में हुई। दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है।

ग्रामीणों ने चलाया तलाशी अभियान, लगाया जाम

जेएलएन में लेक्चरर के डूबने की आशंका

शनिवार रात करीब ढाई बजे से गाड़ी लेकर घर से निकला था लेक्चरर विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव मातनहेल में नहर किनारे मिली लेक्चरर की गाड़ी के बाद उसके डूबने की आशंका के चलते प्रशासन द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। मातनहेल निवासी करीब 31 वर्षीय विकास स्थानीय राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में लेक्चरर के पद पर कार्यरत है।वह रात करीब ढाई बजे घर से गाड़ी लेकर बाहर निकला था। सुबह तक जब विकास घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उससे मोबाइल पर संपर्क करना चाहा। बार-बार फोन के बावजूद जब फोन नहीं उठाया गया तो उन्हें चिंता हुई। इसी दौरान किसी ने विकास की गाड़ी गांव के नजदीक से गुजरती जेएलएन किनारे खड़ी होने की सूचना दी। जिसके बाद परिजन ग्रामीणों के साथ नहर पर पहुंचे जहां विकास की गाड़ी में मोबाइल व उसका पर्स भी पड़ा हुआ मिला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर विकास के नहर में डूबने की आशंका जताई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जानकारी लेते हुए विकास की तलाश में अभियान चलाया। शाम करीब पांच बजे तक पुलिस ग्रामीणों के साथ मिलकर विकास को तलाशती रही। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। पानी का बहाव तेज होने के कारण गोताखोर भी अधिक देर तक पानी में नहीं रह पा रहे थे। इसके बाद ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पानी का स्तर कम करने व विकास की खोज तेज करने की मांग को लेकर जाम लगा दिया।

झज्जर। तलाश तेज करने की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगाया गया जाम। फोटो : हरिभूमि

सकारात्मक आश्वासन के बाद खोला जाम

जाम की सूचना मिलने पर एसीपी प्रदीप कुमार व तहसीलदार मौके पर पहुंचे। जिनके सकारात्मक आश्वासन के बाद ग्रामीणों द्वारा जाम खोला गया। जाम की सूचना मिलने पर एसीपी प्रदीप कुमार व तहसीलदार मौके पर पहुंचे। जिनके सकारात्मक आश्वासन के बाद ग्रामीणों द्वारा जाम खोला गया।

बहाव तेज से अधिक देर पानी में नहीं रह पा रहे थे गोताखोर

मधुबन से बुलाई गोताखोर टीम

साल्हावास थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है। मधुबन से भी गोताखोर टीम बुलाई गई है। जलस्तर कम करने के प्रयास भी जारी है।

बहादुरगढ़। बाइपास पर पौधे लगाती प्रिंसिपल व स्वयंसेविकाएं। फोटो : हरिभूमि

वैश्य बीएड कॉलेज में तरु तरंग अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय द्वारा रविवार को तरु तरंग अभियान का आगाज किया गया। अभियान के प्रथम दिन सेक्टर-13 में 200 से अधिक पौधे लगाए गए। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने बताया कि कॉलेज द्वारा हर वर्ष पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तरु तरंग अभियान चलाया जाता है। कॉलेज परिसर में स्वयं पौधे तैयार समुदाय में निःशुल्क वितरित करने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर रोपित किए जाते हैं। वाईआरसी एवं आउटरीच सेल प्रभारी सुनीता रानी के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कोमल गुप्ता, गीता दहिया, पायल शर्मा, अंजू, रेखा व अनीता आदि ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विधायक ने उत्साह बढ़ाया

विधायक राजेश जून व एसडीएम अभिनव सिवाच ने भी स्वयंसेविकाओं का उत्साह बढ़ाया। पौधरोपण तभी सार्थक है, जब प्रत्येक व्यक्ति उनकी नियमित देखभाल का भी संकल्प ले। डॉ. आशा शर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत रतन टाटा फॉरेस्ट, बामड़ोली, नूना माजरा व सांखोल सहित विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण एवं जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

बरसात के बाद धान रोपाई ने पकड़ी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में हाल ही में हुई बारिश के बाद धान की रोपाई का कार्य तेज गति से चल रहा है। खेतों में पर्याप्त नमी और पानी उपलब्ध होने से किसानों ने धान की रोपाई शुरू कर दी है। क्षेत्र के गांवों में सुबह से देर शाम तक किसान और श्रमिक रोपाई कार्य में जुटे हुए हैं। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश धान की फसल के लिए काफी लाभदायक साबित हुई है।

पहले जहां पानी की कमी के कारण रोपाई प्रभावित होने की आशंका थी, वहीं अब मौसम अनुकूल होने से किसानों ने राहत मिली है। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि समय पर रोपाई होने से फसल की पैदावार बेहतर होगी और उत्पादन में वृद्धि की संभावना रहेगी।

झज्जर। खेतों में धान की रोपाई करते हुए श्रमिक। फोटो : हरिभूमि

दो-तीन दिन गर्मी से रही राहत, फिर से बढ़ रहा तापमान

बहादुरगढ़। बीते दिनों हुई बरसात ने गर्मी से कुछ राहत दिलाई थी लेकिन अब फिर तापमान धीरे धीरे बढ़ने लगा है। रविवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री दर्ज किया गया। दोपहर के वक्त गर्मी महसूस की गई। दरअसल, बुधवार को इलाके में बरसात हुई थी। बरसात से मौसम सुहाना हुआ और तापमान में कई डिग्री गिरावट दर्ज की गई। दो-तीन दिन तक लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन अब फिर से तापमान में वृद्धि हो रही है। शनिवार को जहां अधिकतम तापमान 36 रहा, वहीं रविवार को 38 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को इलाके में दिनभर धूप रही। आगामी तीन चार दिन तक इसी तरह मौसम रहने और तापमान बढ़ने के आसार हैं।

झज्जर ने हिसार को 9 विकेट से हराया

लीग में लगातार 5 मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची झज्जर की टीम

बल्लेबाजी में लक्ष्य तो गेंदबाजी में सम्मी कादियान टॉप पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित पटौदी ट्रॉफी के पांचवें मैच में भी झज्जर की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन की छाप छोड़ी। कप्तान लक्ष्य दलाल की शतकीय पारी की बदौलत झज्जर ने हिसार की टीम को 9 विकेट से हरा दिया। इस तरह से झज्जर ने लगातर 5 जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। लीग में अभी तक सबसे अधिक 399 रन बनाकर बल्लेबाजी में लक्ष्य तो 21 विकेट लेकर गेंदबाजी में सम्मी कादियान टॉप पर है। इससे पहले गत 7 जुलाई को हिसार व झज्जर के बीच मैच खेला गया था। बारीश के कारण तब मैच पूरा नहीं हो सका था। इसलिए लाहली के चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में एक बार फिर दोनों टीम आमने सामने हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए हिसार की टीम 39वें ओवर में ऑलआउट हो गई। टीम ने कुल 153 रन बनाए, जिसमें हितेश ने 22, दीपेश ने 34 व विकास ने 28 रनों का योगदान दिया। झज्जर की तरफ से सम्मी कादियान ने 4, सौरव ने 3 और कप्तान लक्ष्य दलाल ने 2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी झज्जर की टीम को भी शुरुआत में ही झटका लग गया। हालांकि इसके बाद कप्तान लक्ष्य ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सुबोध सहरावत के साथ टीम को संभाला। दोनों ने बड़ी साझेदारी करते हुए 17वें ओवर में टीम को 9 विकेट से जीत दिलाई। टांडाहेड़ी के लक्ष्य दलाल ने 56 गेंदों में 9 छक्के और 9 चौके के साथ 107 रनों की शतकीय पारी खेली। जबकि सुबोध ने 40 रनों का अहम योगदान दिया। लगातार 5 मैचों की जीत के साथ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।

लीग में अभी तक टॉपर बैट्समैन लक्ष्य।

टॉपर बॉलर सम्मी कादियान।

मुहिम क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट द्वारा मियावकी पद्धति से किया जा रहा जंगल विकसित

2 हजार पौधे लगाकर नए जंगल की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके को हराभरा बनाने पर जोर दे रहे क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और अनूठा कदम उठाया है। ट्रस्ट ने वन विभाग व विभिन्न संस्थाओं के साथ बहादुरगढ़ में बाईपास के साथ सेक्टर-12 में एक और मिनी जंगल विकसित करने की नींव रख दी है।

विधायक राजेश जून और एसडीएम अभिनव सिवाच ने रविवार को इस अभियान का आगाज किया। लगभग 2 हजार पौधे लगाकर इस पुनीत कार्य का आगाज करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। पिछले कई दिनों से पर्यावरण प्रेमी इस अभियान की तैयारी में जुटे थे। रविवार की सुबह करीब सात बजे ही लोग जुटने शुरू हो गए। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं सहित छोटे बच्चों से लेकर उम्रदराज सहित करीब 250 लोगों ने हिस्सा लिया। विधायक राजेश जून और एसडीएम अभिनव सिवाच ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। छोटे बच्चों ने गुलाब के फूल से उनका स्वागत किया। विधायक व एसडीएम ने न केवल पौधे लगाए बल्कि ट्रस्ट सहित तमाम पर्यावरण प्रेमियों द्वारा प्रकृति हित में किए जा रहे प्रयासों की खूब प्रशंसा की। एसडीएम अभिनव सिवाच के पिताजी ने भी आकर पौधरोपण किया। सेक्टर-12 में स्थित इस साइट पर पहले ही दिन विभिन्न प्रजातियों के करीब 2 हजार पौधे लगाए गए।

बहादुरगढ़। पौधरोपण करते विधायक राजेश जून, एसडीएम अभिनव सिवाच व अन्य।

देखरेख का भी संकल्प लिया

लोगों ने पौधे की देखरेख करने का भी संकल्प लिया। मियावाकी पद्धति के तहत यह वन विकसित किया जा रहा है। इस पद्धति के तहत कम स्थान में विभिन्न प्रजातियों के देशी पौधे लगाए जाते हैं। इसमें कम समय में घना, आत्मनिर्भर और जैव विविधता से भरपूर वन तैयार होता है। इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार, तापमान में कमी और पक्षियों व अन्य जीवों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध होगा। अभियान में वन विभाग, एचएसवीपी, जैन सेवा मंडल, रॉबिन हुड आर्मी, श्याम जी गौ सेवा समिति, सार्थक सेवा समिति, नीमा, संत निरंकारी सत्संग भवन, ह्यूमन एंड नेचर एनवायरमेंट सोसाइटी, वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय, उड़ान सेवा समिति, ब्रह्माकुमारी संस्थान आदि संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री बालाजी श्याम सेवा समिति ने जल सेवा की गई।

बहादुरगढ़। पौधरोपण करते विधायक राजेश जून, एसडीएम अभिनव सिवाच व अन्य। फोटो : हरिभूमि

चोर कुतानी से चांदी व नकदी उड़ा ले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव कुतानी में चोरों द्वारा आभूषण व नकदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित सरजीत ने बताया कि बीती रात करीब ढाई बजे जब उसकी आंख खुली तो उसने कमरे का दरवाजा खुला हुआ देखा। जब उसने अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी संदूक का सामान बिखरा पड़ा था। जब उसने सामान का जायजा लिया तो पता चला कि उसके घर में रखे चांदी के आभूषण व दो कमरों की अलमारियों में रखी करीब साठ हजार रुपये की नकदी चोरी हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मकान के बाहर से थ्री-व्हीलर चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लाइनपार में मकान के बाहर गली से थ्री-व्हीलर चोरी हो गया। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। वत्स कॉलोनी के निवासी संदीप का कहना है कि उसने 9 जुलाई की रात को घर के बाहर गली में ऑटो खड़ा किया था। अगली सुबह देखा तो नहीं मिला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। तब से लेकर अब तक अपने स्तर पर तलाश करते रहे लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

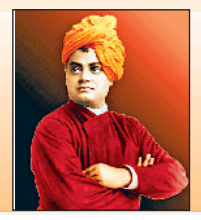

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

एसडीएम ने छोटूराम नगर में जलनिकासी व्यवस्था जांची

संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखें अधिकारी: एसडीएम

पूर्व पार्षद ने खामियों से एसडीएम को करवाया था अवगत

बरसात के मौसम में किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसडीएम अभिनव सिवाच ने शहर के छोटूराम नगर का दौरा कर जल निकासी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर नालों और ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे ने छोटूराम नगर में व्याप्त खामियों से एसडीएम को अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अभिनव सिवाच ने अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता अनुसार सफाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा जलभराव आदि समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। एसडीएम ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि मानसून के दौरान शहर की व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में जलनिकासी व्यवस्था का जायजा लेते एसडीएम अभिनव सिवाच। फोटो : हरिभूमि

छुछकवास-अच्छेज रोड पर जलभराव से लोगों को हो रही परेशानी, बीमारी फैलने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण छुछकवास से अच्छेज जाने वाले मुख्य मार्ग पर लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। पिछले कई महीनों से सड़क पर गंदा पानी जमा रहने से ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित हो रहा है। समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीण प्रियांशु सिंगला ने बताया कि इस मार्ग पर पानी निकासी के लिए बनाए गए नालों की सफाई न होने के कारण वे गंदगी से अटे पड़े हैं। जिसके चलते घरों से निकलने वाला पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल जाता है। लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए गंदे पानी के बीच से आवागमन करना पड़ता है। लगातार जलभराव के कारण फिसलन की स्थिति भी बनी है जिस कारण बच्चों व बुजुर्गों के चोटिल होने की आशंका भी रहती है। इसके अलावा लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से जलजनित बीमारी फैलने की आशंका भी बनी है।

बहादुरगढ़। कोचों के साथ पदक विजेता दोनों पहलवान। फोटो : हरिभूमि

नेशनल में छाए साहिल और लक्ष्य पहलवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लक्ष्य कादियान ने 125 किलोग्राम फ्री स्टाइल में दमखम दिखाते हुए सिलवर मेडल पर कब्जा जमाया

अंडर-23 नेशनल चैंपियनशिप में मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े के 2 पहलवान छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के साहिल तथा लक्ष्य पहलवान ने मेडल जीते। इनकी जीत पर परिजनों और साथी पहलवानों ने खुशी जताई है। रोहतक में यह चैंपियनशिप चल रही है। हिंद केसरी सोनू अखाड़े के पहलवान भी इसमें भाग ले रहे हैं। साहिल दलाल ने 86 किलोग्राम फ्री स्टाइल में जोर आजमाइश की थी। जबरदस्त प्रदर्शन के बूते फाइनल पहुंचा। हरियाणा के पहलवान को हराकर गोल्ड पर कब्जा जमा लिया। साहिल आसौदा गांव से है और एयरफोर्स में है।

वहीं दूसरी तरफ लक्ष्य कादियान ने 125 किलोग्राम फ्री स्टाइल में दमखम दिखाते हुए सिलवर मेडल पर कब्जा जमाया। इनकी जीत पर अखाड़ा संचालक सोनू पहलवान, कॉमनवेल्थ चैंपियन धर्मेंद्र दलाल, अर्जुन अवॉर्डी कोच ओमवीर सहित अन्य कोच स्टाफ, साथी खिलाड़ियों, कुश्ती प्रेमियों तथा परिजनों ने खुशी जताई है। विजेताओं ने अपनी जीत का श्रेय परिजनों के सहयोग और कोचों के मार्गदर्शन को दिया है। कोच धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि दोनों पहलवान बेहद होनहार हैं। लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। आने वाली अन्य बड़ी प्रतियोगिताओं में इनसे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते एसडीएम रवि मीणा।

डिजिटलाइजेशन कार्य के दो दिन शेष एसडीएम कर रहे नियमित मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

गणना प्रपत्र संकलित कर डिजिटाइज्ड करें बीएलओः उपायुक्त

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे मतदाता सूचियों के एसआईआर अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य को गति मिल रही है। जिला प्रशासन का विशेष फोकस इस बात पर है कि पात्र मतदाता 14 जुलाई अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना आज ही अपने हस्ताक्षरयुक्त गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करवाएं, ताकि उनका तत्काल डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जा सके। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत डिजिटाइजेशन कार्य की चरणबद्ध तरीके से नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी ईआरओ एवं एडिशनल ईआरओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ कार्य को पूरा करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि झज्जर, बेरी, बादली और बहादुरगढ़ के ईआरओ लगातार बीएलओ के साथ समीक्षा बैठकें कर रहे हैं तथा प्राप्त गणना प्रपत्रों का तत्काल डिजिटाइजेशन कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। एसडीएम एवं झज्जर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी रवि मीणा ने एईआरओ के साथ समीक्षात्मक बैठक करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

झज्जर। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने एसआईआर अभियान 2026 के तहत सभी सुपरवाइजरों, बीएलओ तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तत्काल गणना प्रपत्रों के संकलन कार्य में और अधिक तेजी लाई जाए तथा प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए। 14 जुलाई से पूर्व हर वोटर के गणना प्रपत्र का डिजिटाइजेशन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जिन बूथों पर शत प्रतिशत गणना प्रपत्र संकलित नहीं हो सके हैं, वहां हर संभव प्रयास करते हुए अंतिम तिथि का इंतजार ना करते हुए तुरंत सभी प्रपत्रों का संकलन सुनिश्चित किया जाए। एसआईआर की महत्ता को देखते हुए इस कार्य में किसी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। चूंकि यह निर्वाचन आयोग की समयबद्ध प्रक्रिया है,जिसे हर हाल में तय समय अवधि में पूरा करना है।

परनाला में ग्राम सभा में विकास कार्यों पर की चर्चा

बहादुरगढ़। रविवार को गांव परनाला-हसनपुर में सरपंच मुकेश राठी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इसमें एसआईआर, सफाई और विकास कार्यों पर चर्चा हुई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर भी जागरुक किया गया। इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी, साधना, सरिता, ब्रह्मो, सोम, सुषमा, नीलम, मैना, रानी, संतोष, गीता, निर्मला, प्रिया, बिमला, मंजू, सुनीता, हेमलता, आशा, कमला, प्रेम, चमेली, मूर्ति, शांति, पूजा, साक्षी, मधू, द्रोपदी, पूनम, सुषमा, रविता, राकेश, जोगी, राजीव व अमरजीत आदि मौजूद रहे।

बरसाती सीजन में संतुलित आहार का करें सेवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मानसून के दौरान संक्रमण और वायरल बीमारियां ज्यादा फैलती हैं। ऐसे में खानपान में लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है। बीमारियों से बचने के लिए चिकित्सक संतुलित आहार का सेवन करने का परामर्श दे रहे है। वहीं शरीर में इम्यूनिटी सिस्टम बढ़ाने के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने, हल्दी-सौंफ मिलाकर दूध का सेवन करने, ठंडे पेय पदार्थों से दूरी बनाने के अलावा हल्का गर्म पानी पीने की सलाह भी दी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बरसाती सीजन में मौसम में नमी होने के कारण बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में पत्तेदार सब्जियों के सेवन करने से बचें, वहीं मौसमी सब्जियों व फलों का सेवन करें। भोजन में मांस का प्रयोग न करें और एल्कोहल से भी दूरी बनाएं रखें।

गुनगुने पानी का करें प्रयोगः जिला योग संयोजक आयुष विभाग डॉक्टर पवन देशवाल ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण मौसम जनित बीमारियों में इजाफा हो रहा है। लोग

डॉक्टर पवन देशवाल, जिला योग संयोजक आयुष विभाग

■ योग को बनाए दिनचर्या का हिस्सा, हल्दी-सौंफ मिलाकर करें दूध का सेवन, ठंडे पेय पदार्थों से बनाए दूरी

बीमारियों की चपेट में आ रहे है। अगर लोग आयुर्वेद को अपनाते हुए घरेलू नुस्खों का भी प्रयोग करते है तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले ठंडे पेय पदार्थों व चीजों का सेवन न करें। योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वहीं दूध में हल्दी व सौंफ बनाकर सेवन करें। जिससे शरीर में इम्यूनिटी पॉवर बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि सुबह नाश्ते में चाय व कॉफी न ले। उसकी जगह पानी में सौंफ उबालकर उसमें नींबू का रस मिलाकर प्रयोग करें। नींबू का सेवन करने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है। इसके अलावा नारियल पानी का प्रयोग भी शरीर में इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने के लिए कर सकते है। उन्होंने बताया कि इन दिनों में पत्तेदार सब्जियां जल्दी खराब हो जाती है। क्यूंकि ये सब्जियां सर्दी के मौसम में ज्यादा होती है। इसलिए मौसमी सब्जियों का सेवन ज्यादा करें। उन्होंने दही का सेवन भी इस मौसम में कम से कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि दही पाचन प्रक्रिया को बिगाड़ सकती है। क्यूंकि दही की तासीर गर्म होती है। इसलिए बरसाती मौसम में दही का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रात का खाना भी जल्द खाना चाहिए।

डॉक्टर पवन देशवाल ने बताया कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। योग करने से जहां शरीर स्वस्थ रहता है, वहीं मन भी शांत रहता है। अनोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाती आदि योग क्रियाएं प्रतिदिन करनी चाहिए। इसके अलावा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह-शाम वाकिंग या जॉकिंग भी कर सकते है। व्यायाम करने से पसीने के माध्यम से शरीर की अधिकांश बीमारियां स्वयं बाहर निकल जाती है।

एमआर स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को एम आर सीनियर सेकेंडरी स्कूल हसनपुर में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों के यूनिट टेस्ट के परिणाम, शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास पर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित करना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए हॉलिडे होमवर्क, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित तथा कला प्रदर्शनी का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक मॉडल, गणितीय गतिविधियां, सामाजिक विज्ञान की परियोजनाएं, आकर्षक चार्ट, हस्तनिर्मित कलाकृतियां एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां प्रदर्शित कर अपनी कल्पनाशीलता, नवाचार, तार्किक क्षमता और सृजनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया।

प्राचार्य नेहा शर्मा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी की सफलता में विद्यालय और अभिभावकों की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की नियमित पढ़ाई, अनुशासन, समय प्रबंधन तथा नैतिक मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया और विद्यार्थियों को निरंतर सीखने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के निदेशक सोमबीर कोडान एवं संगीता कोडान ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच,आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं जीवन मूल्यों का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं तथा अभिभावकों को बच्चों की सीखने की प्रक्रिया से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती हैं।

नाहरा-नाहरी रोड पर रेलवे ओवरब्रिज के गड्ढों को भरवाने की मांग

बहादुरगढ़। सड़क सुरक्षा संगठन (आरएसओ) सदस्य सतीश शर्मा ने लोक निर्माण विभाग से नाहरा-नाहरी रोड पर बने रेलवे ओवरब्रिज के गड्ढों को शीघ्र भरवाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इनसे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लाइनपार निवासी डॉ. योगेश शर्मा, राज सिंह खत्री, सुमेर सिंह व सौरभ सहरावत आदि ने जनहित और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पीडब्ल्यूडी से आरओबी के गड्ढों को तुरंत भरवाने की मांग की है। विभाग के एसडीओ राजेश तोमर ने कहा कि शीघ्र ही ओवरब्रिज के गड्ढों की मरम्मत करवा दी जाएगी।

डेंगू रोधी अभियान के तहत दवा का छिड़काव किया

सप्ताह में एक बार कूलर का पानी जरूर बदलें

बहादुरगढ़। डेंगू रोधी दवा का छिड़काव करते सुरेंद्र डाबला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

क्षेत्र में डेंगू और मलेरिया के खतरे को देखते हुए संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने विशेष डेंगू रोधी अभियान चलाया। मलेरिया विभाग में कार्यरत सुरेंद्र डाबला के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों और रिहायशी क्षेत्रों में डेंगू रोधी दवाई का छिड़काव किया गया।

सांखोल में कूलरों की जांच की

अभियान के दौरान समिति की टीम ने देवी लाल पार्क के फव्वारों, दिल्ली-रोहतक रोड स्थित गोरैया टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स के बाहर, ग्रीन बेल्ट के आसपास रखे टायरों, खाली प्लॉटों में पड़े पुराने टायरों, सांखोल गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बाहर तथा गांव के विभिन्न घरों में रखे कूलरों की जांच कर उनमें डेंगू रोधी दवाई डाली। प्रधान संजय कलसन ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दवाई का छिड़काव करना नहीं, बल्कि लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि घरों, छतों, कूलरों, गमलों, टायरों और अन्य बर्तनों में पानी जमा न होने दें। कर्मबीर राठी ने लोगों से सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर का पानी बदलने और उसे पूरी तरह सुखाने के बाद ही दोबारा उपयोग करने की सलाह दी।

अभियान में ये रहे शामिल

अभियान में अमित राठी, मनीष चाहार, अनिल राठी, जय चाहार, सोमेश राठी, परमजीत जांगड़ा, सितेंद्र राठी, रामकरण सहित अन्य शामिल रहे।

भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

मेरा कोई ना सहारा बिन तेरे हनुमान दया करो मेरे...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला संकीर्तन मंडली की महिलाओं ने सामूहिक सुंदरकांड पाठ के साथ-साथ मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। पंडित पवन कौशिक ने कहा कि कलियुग में सेवा और प्रभु का नाम स्मरण सबसे बड़ा धर्म है। इंसान को श्रद्धा के साथ भगवान का भजन-कीर्तन करना चाहिए। संकीर्तन में आशा ग्रोवर, नीलम गाबा, आंचल सेठी, इंदू शर्मा, उषा काठपालिया, संध्या आर्य, पूनम छाबड़ा, संगीता वर्मा, सुषमा गोसांई, रोजी नारंग, शशी खत्री, संतोष शर्मा, इंदू भूगड़ा ने संगीतमयी सुंदरकांड पाठ का सामूहिक गायन किया।

वीर बजरंगी मुझे तेरा सहारा है....

इस दौरान वीर बजरंगी मुझें तेरा सहारा है, मां अंजलि के लाल तूने लाखों को तारा हैं, मेरा सुखी रहें परिवार बाला जी कृपा करों, सदा हसता रहें घर बार बाला जी कृपा करों, सुषमा गोसाई ने मेरा कोई ना सहारा बिन तेरे हनुमान दया करो मेरे..भजन सुना कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान नारायणी सरदाना, सीमा पाहवा, प्रीति गाबा, उषा रंजन, शशी हंस, सीमा तनेजा, अंजू वर्मा, आशू बजाज, नीलम गाबा, भावना काठपालिया सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का 736 लोगों ने उठाया लाभ, चार सौ लोगों को वितरित किए चश्में

स्वस्थ, जागरूक व संवेदनशील समाज का निर्माण हमारी प्राथमिकता: डॉ. महिपाल

चेयरमैन ने कहा कि संस्कारम ग्रुप भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के ऐसे जनकल्याणकारी अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच करवाने पहुंचे लोग रजिस्ट्रेशन करवाते हुए व रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन महिपाल। फोटो : हरिभूमि

रविवार को संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. महिपाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में संस्कारम हॉस्पिटल एंड ट्रामा द्वारा मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से आयोजित इस शिविर में 736 लोगों ने विभिन्न निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।

वहीं लोगों ने बढ़-चढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। शिविर के दौरान आंखों की जांच, दंत चिकित्सा परामर्श, रक्त परीक्षण, रक्तचाप एवं शुगर जांच, कानों की जांच, हड्डी एवं जोड़ रोग परामर्श, चर्म रोग परामर्श, थायराइड एवं मूत्र जांच, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं सीटी स्कैन संबंधी परामर्श, निःशुल्क दवा वितरण तथा पंचकर्म थेरेपी जैसी अनेक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष चिकित्सा परामर्श भी प्रदान किया गया और निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। आंखों की जांच के उपरांत पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क चार सौ चश्में प्रदान किए गए। स्वैच्छिक रक्तदाताओं को उनके सामाजिक योगदान के सम्मानस्वरूप टी-शर्ट प्रदान की गईं। साथ ही मानसून के मौसम को देखते हुए शिविर में आए लोगों को निःशुल्क छाते भी वितरित किए गए। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. महिपाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ, जागरूक और संवेदनशील समाज का निर्माण करना है।

उन्होंने कहा कि संस्कारम ग्रुप भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के ऐसे जनकल्याणकारी अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

बहादुरगढ़। कन्या गुरुकुल में पौधे लगाते सभा के सदस्य व ब्रह्मचारिणियां।

आर्य प्रतिनिधि सभा ने कन्या गुरुकुल में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में लोवा कलां सिद्दीपुर में स्थित कन्या गुरुकुल में पौधारोपण अभियान चलाया गया। गुरुकुल की प्रमुख अधिष्ठाता डॉ. राजन मान के नेतृत्व में नीम, बड़, जामुन, अमरुद, आंवला, सहजन, पिलखन व बूंदी आदि के औषधीय और फलदार पौधे लगाए गए। आर्य प्रतिनिधि सभा के जिलाध्यक्ष आर्य हरिओम दलाल ने बताया कि इन पौधों की व्यवस्था पूर्व पार्षद वजीर राठी द्वारा की गई।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद समुंदर सहवाग, आर्य ब्रह्मजीत, आर्य व्रतपाल राठी, आर्य राजबीर मलिक, आचार्या विद्यावती, आचार्या डॉ. प्रीति, आचार्या मूर्ति, प्रतिभा आर्या व अनु आर्या के अलावा गुरुकुल की सैकड़ों ब्रह्मचारिणियां उपस्थित रहीं। डॉ. राजन मान ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक पौधे को गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों गोद लेकर देखभाल व सेवा सुश्रुषा करेंगी।

दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मिलिंद सोमन के साथ दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर। फोटो : हरिभूमि

गोवा में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित ऑल इंडिया पिंकाथॉन एम्बेसडर्स समिट में विभिन्न राज्यों और 24 शहरों से आए पिंकाथॉन एंबेसडर्स, आयोजकों और फिटनेस लीडर्स ने महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस, स्तन कैंसर जागरूकता और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की। कार्यक्रम में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के संयोजक दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर को सम्मानित किया गया।

- गोवा में हुआ ऑल इंडिया पिंकाथॉन एंबेसडर्स समिट का आयोजन

मिलिंद सोमन द्वारा शुरू किया गया पिंकाथॉन आज देश का सबसे बड़ा महिला रनिंग मूवमेंट बन चुका है। एक साधारण दौड़ के रूप में शुरू हुआ यह अभियान अब लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। देशभर से आए पिंकाथॉन प्रतिनिधियों ने तीन दिनों तक विभिन्न सत्रों, चर्चाओं और गतिविधियों में महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने, समुदायों को फिटनेस से जोड़ने और स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान फिटनेस आइकॉन मिलिंद सोमन और उनकी पत्नी अंकिता कोंवर की मौजूदगी में विभिन्न शहरों में चल रहे अभियानों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर द्वारा बहादुरगढ़ में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. किरण छिल्लर और दीपक छिल्लर के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों से बहादुरगढ़ में पिंकाथॉन का सफल आयोजन किया जा रहा है। गोवा में हुए इस राष्ट्रीय समिट में दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर को पिंकाथॉन अभियान को सफल बनाने में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पिंकाथॉन के जरिए महिलाओं में न केवल शारीरिक फिटनेस के प्रति रुचि बढ़ी है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी भी मजबूत हुई है।

ब्राह्मण समाज की बैठक में संगठन की शक्ति को मजबूत करने का दिया संदेश

श्री ब्राह्मण धर्मशाला में सामाजिक समरसता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को श्री ब्राह्मण धर्मशाला में सामाजिक समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष जिले सिंह पिचौलिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में ब्राह्मण समाज को संगठित, शिक्षित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता समाज की एकता है। उन्होंने युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने तथा संगठन की शक्ति को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होगा, शिक्षित होगा और अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक होगा, तभी उसका सर्वांगीण विकास संभव होगा।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मौके पर श्री ब्राह्मण महासभा झज्जर के प्रधान राज पहलवान, ब्राह्मण महासभा पानीपत के प्रधान सतीश गौतम, पार्षद मिथुन शर्मा, कुलदीप शर्मा, रामकरण अत्री, पंडित किशोर, पंडित दया किशन, मुकेश, राजेंद्र कौशिक, हरीश पहलवान,राजकुमार शर्मा, गौतम कौशिक, देवराज, हरीश, शमशेर कौशिक, उमाशंकर, सूबे हरित, संजय शर्मा, विजय कुमार शास्त्री, बालकिशन, ईश्वर शर्मा, प्रदीप शर्मा, राजेंद्र शर्मा, कुलदीप शर्मा, दयानंद शर्मा, हरीश शर्मा, रमेश शर्मा, धर्मवीर शर्मा, संदीप शर्मा, गुलाब शर्मा, मंगत राम शर्मा आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दिल्ली हॉस्पिटल में हुई स्वास्थ्य परिचर्चा में भाग लेते ग्रामीण।

दिल्ली हॉस्पिटल में हुई चिकित्सा परिचर्चा

बहादुरगढ़। शहर के दिल्ली हॉस्पिटल में आयोजित चिकित्सा परिचर्चा में कई सरपंचों, भूतपूर्व सैनिकों व विशिष्ट ग्रामीणों ने भाग लिया। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रवण बंसल ने बीमारियों की रोकथाम व अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर ब्लॉक समिति अध्यक्ष रचिता जून के पति संजय जून, सरपंच जयभगवान जांगड़ा, सत्येंद्र दहिया, मास्टर प्रवीण मलिक व गणेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

एचडी का पूर्व छात्र जतिन धनखड़ बना भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

झज्जर। नवनियुक्त लेफ्टिनेंट जतिन धनखड़ अपने माता-पिता के साथ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एच डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल साल्हावास का पूर्व छात्र एवं गांव ढाकला का होनहार युवा जतिन धनखड़ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गया है। जतिन की सफलता पर क्षेत्रवासियों में खुशी और गर्व का माहौल है। एच डी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि जतिन धनखड़ एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखता है।

जतिन ने नर्सरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक एचडी विद्यालय में नियमित पढ़ाई की व वर्ष 2020-21 में विज्ञान संकाय में बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। बारहवीं कक्षा के दौरान ही उसने नीट परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली थी, लेकिन उसका लक्ष्य डॉक्टर बनने के साथ-साथ भारतीय सेना में अधिकारी बनकर मातृभूमि की सेवा करना था। इसी संकल्प के साथ उसने देश के प्रतिष्ठित आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे में प्रवेश लिया।

वहां से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त हुआ है। अब वह अंबाला में अपनी मेडिकल इंटर्नशिप पूरी करेगा। एच डी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया तथा समस्त एच डी परिवार ने लेफ्टिनेंट जतिन धनखड़ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। अधूरा पड़ा रैन बसेरा दिखाते जसबीर सैनी। फोटो : हरिभूमि

सीएम आदेश पर पूरा होगा अधूरा रैन बसेरा

बहादुरगढ़। शहर के बालौर रोड पर गत 5 वर्षों से अधूरे पड़े रैन बसेरे का निर्माण अब मुख्यमंत्री के आदेशानुसार पूरा किया जाएगा। यह दावा करते हुए पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने सीएम नायब सैनी के समक्ष इस अधूरे पड़े रैन बसेरे को पूरा करवाने की मांग रखी थी। वर्तमान बोर्ड के 4 साल बीत जाने के बाद भी इसकी सुध नहीं ली गई। यह रैन बसेरा लावारिश पशुओं और नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। बिल्डिंग भी जर्जर हो चुकी है। अब सीएम के आदेशानुसार नगरपरिषद ने लगभग 82 लाख रुपए का टेंडर किया है। जसबीर सैनी ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

यूडीआईडी एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए 31 तक चलेगा विशेष अभियान

झज्जर। जिले के दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से संबंधित लंबित मामलों में शीघ्र राहत प्रदान करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार से शुरू होने वाले इस अभियान के अंतर्गत 31 जुलाई तक प्रत्येक कार्य दिवस में जिला दिव्यांगता मेडिकल बोर्ड की बैठक आयोजित कर लंबित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि अभियान के दौरान मेडिकल बोर्ड द्वारा सभी लंबित आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर जांच, दिव्यांगता का मूल्यांकन तथा यूडीआईडी पोर्टल पर आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएगी, ताकि पात्र लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना करना पड़े। उन्होंने बताया कि जिन दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड अथवा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आवेदन अभी तक लंबित हैं, वे निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला दिव्यांगता मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होकर अपनी प्रक्रिया पूर्ण करवाएं।

आधुनिक लाइटिंग, रंग-बिरंगे फव्वारे और बच्चों के झूलों से बदल रही पार्क की तस्वीर

ऐतिहासिक शहीदी पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में, फव्वारों की टेस्टिंग की जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के ऐतिहासिक शहीदी पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। नगर परिषद द्वारा करीब पौने तीन करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि से पार्क का व्यापक कायाकल्प करवाया जा रहा है। जिससे यह न केवल शहरवासियों के लिए सुकून भरा स्थल बनेगा, बल्कि आकर्षण का केंद्र भी होगा। पार्क में सुंदरता बढ़ाने के लिए आकर्षक और आधुनिक लाइटें लगाई गई हैं।

इसके साथ ही पार्क में फव्वारे लगाए गए हैं। जिनकी टेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। पार्क में नए और सुरक्षित झूले लगाए गए हैं। इसके अलावा पार्क में हरियाली बढ़ाने, बैठने के लिए आकर्षक बेंच, पैदल पथ और स्वच्छता के लिए बड़े बड़े डस्टबिन भी रखे गए है।

झज्जर। शहीदी पार्क में लगाए गए फुहारे की जा रही टेस्टिंग। फोटो : हरिभूमि

है। लोगों का कहना है कि कायाकल्प कार्य पूरा होने के बाद शहीदी पार्क शहर का सबसे सुंदर और सार्वजनिक स्थल बनेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पार्क के सौंदर्यीकरण की मांग की जा रही थी। जो अब पूरी होती दिख रही है।

बैठने के लिए रखे गए बैंच

पार्क में आमजन के बैठने के लिए बैंच रखवाएं गए है। इसके अलावा चार आर्कषक फुहारे, बड़े बड़े डस्टबीन, नया फुटपाथ, बारिश के दौरान पानी निकासी के उचित व्यवस्था, आर्कषक झूले लगाए है। दो झोपड़ी नुमा बैठने के शेड बनाए गए है। हालांकि यह सभी कार्य किए जा चुके है। जिनकों अंतिम रूप दिया जा रहा है।

शहरवासियों को जल्द मिलेगा पार्क की सुविधाओं का लाभ

नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बताया कि शहर के पार्कों का सौंदर्यकरण करवाया जा रहा है। शहीदी पार्क में करीब पौने दो करोड़ की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। प्रयास यहीं है कि इसी माह में सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।